इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में आज दिनांक 7 मार्च 2019 को संभाग प्रथम में गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निर्देशानुसार इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व में समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। इसी श्रृंखला में शीर्षक '**मध्यकालीन भारतीय इतिहास में महिलाओं की भूमिका**' पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शहीद भगत सिंह सांध्यकालीन महाविद्यालय से चारू मित्तल, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने मुख्य वक्ता को पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्य वक्ता चारू मित्तल ने अपने वक्तव्य में कहा कि मध्यकालीन भारतीय इतिहास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने विभिन्न विचारधाराओं और नजरियों के बारे में विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि मध्यकाल में मुस्लिम समाज में हिन्दुओं की तरह महिलाओं की स्थिति दोयम दर्जे की थी उनके अधिकारों एवं स्तर में वैदिक काल की तुलना में काफी गिरावट आई तथा पुरूषों पर उन्हें आश्रित स्वीकार किया जाने लगा। मुस्लिम शास्कों ने राजमहल में हरम की व्यवस्था की थी। मुगल हरम कि महिलाओं ने समकालीन राजनीति एवं संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशेष योगदान दिया। मध्य कालीन महिलाओं में रजिया सुलतान, गुलबदन बेगम, नूरजहाँ, हमिदा बानो बेगम, मुमताज़ महल, जोधा बाई, जहाँ आरा तथा रौशन आरा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही साथ उन्होंने मध्यकालीन भारतीय समाज में फैली विभिन्न समस्याएँ सती प्रथा, जौहर प्रथा, पर्दा प्रथा, बेमेल विवाह तथा बहु विवाह के विषय में बताया। व्याख्यान के उपरान्त विद्यार्थियों ने प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा अतिथि के समक्ष रखी। अतिथि महोदय ने बडी प्रसन्नता और सहजता के साथ सभी प्रश्नों का उत्तर दिया। इतिहास विभाग के लगभग 100 से अधिक विद्यार्थी इस अतिथि व्याख्यान से लाभान्वित हुए और अंत में इतिहास विभाग की सह—प्राध्यापक सुप्रिया ढ़ांडा ने उपस्थित सभी का धन्यवाद किया।